



ଆଶା ଆବଳୀ

423

ASHA ARCHIVES

ॐ नमो नत्तु न्याय ॥ ॥ ॐ नमो श्री वज्रसत्त्वा ॥ ॥ वसुधा ना सदा नत्ता
दा विडा डु खन ना न निः दे स या मि म न्त्वा नी स व डु ख प मो व नि ॥ ॥ ॐ नमो श्री
वज्र धन सा ग व य न म ॥ ॥ ॐ नमो श्री सा च्च म य न म ॥ ॥ क्रा पी श्री ३
वसुधा ना दे वि या न को ति २ न म स्का व ॥ क्रा पी वसुधा ना धा या न ग थि हा धा व सा
स सा न धा नि या न स व डु ४ ख रू ट का ज वि ड्का क लः थ थि हा वसुधा ना दे वि या न न म स्का व

ॐ श्री वसुधा ना धा यामि ॥ २ ॥ द व ध र्क श्री वसुधा ना दे वी या वृ ण ध र्म
या यः जा व नः ग व व ल स धा ल साः जा व नः थ व ग लं श्री दा वि ग न य नि स क लं मू ना
ज म धा स धु ले स डु शि व वि ड्क य नि स यो ॐ श्री वसुधा ना दे वि थ म थ थ म न उ
द य रु या ज वि का रं ॥ ॥ दा वि म धा म धु ल स ल द्रा पि ड रु व मि क स र्व ड
जा न न र्थ पू न व पि मा ग्गा य णं ॥ ३ ॥ हु न दे वि ग न य नि स र्ने श्री र व स
धा ना दे वि या क पि ना य या रंः हु न उ व नी म धा मं द लेः स ख प्रा नि रु आ हा द य क ल

विकायमालवकं. उत्थीरवावंवायदवीगद्यनिसनः श्रीवसुधावादवियाक थि
नाययानं ॥ ॥ प्रसन्नविलुप्तमधुमधुलः यनरवेनयायानां सत्वानां गनर
वृषनधर्मदभयनिगद्यमिश्रवसुधावाविक्रयनि ॥ ४ ॥ **थधदविय**
निसनन्नाययानगुठनष्टा श्रीवसुधावादविनं मनसविक्रयायानां मधुम
धुलसः सत्वप्राप्तियनियानः स्वगुलिनृपशयाताधर्मदभयनायानां मधुम
ननायानां श्रीवसुधावाविक्रयनि ॥ ॥ **निसनन्नाययानगुठनष्टा**

सुधावामकनृपं श्रीमहालक्ष्मिकनृपं श्रीकामावीमकनृपं निसनन्नाययानगुठनष्टा
धायनदिमुखमाङ्गानिगाया ॥ ॥ **थधदविय** श्रीवसुधावादविनं विनं विनं विनं
ठाककाननस्वगुविनृपशुलः श्रीवसुधावादविनं विनं विनं विनं
हालक्ष्मिकगुलिनृपशुलः श्रीवसुधावादविनं विनं विनं विनं
निसनन्नाययानगुठनष्टा ॥ ॥ **थधदविय** श्रीवसुधावादविनं विनं विनं विनं
काः हलां कलिस्त्रिभुवायस्थित्वा ॥ ॥ **थधदविय** श्रीवसुधावादविनं विनं विनं विनं

कउगुठनाउअस्वधाघनदिमूखनिष्कसनंलाहाहागवपाअधीवसूधावादवि
नमलावयानाअःहृदविहृदस्ववहृदलपालसनंरुग्गहादयकसाविकायन
नाधकविनकिपाकं॥ ॥दविउवाव॥ श्रीवसूधावादविनगाहादयकल
त्रिलधाघनदिमूखपूर्वमगममलंगलाउगीदियवागायहनिगुसकासाम
गममलंगद्व॥ ॥हृनदिमूखस्वधाघनदिनिनिष्कमममलंगला
नाउसूगदियवागायवविहृदस्ववहृदनिधकंश्रीवसूधावादविनगाहादय

ली॥ ८ ॥नदिमूखउवावःकिमर्थेनिसक्रागि॥ ॥नदिमूखनंभालहृद
विहृदस्ववहृदलपालपायसादनंकायमरुयिःक्रियनिनिष्कनधकश्रीवसू
धावादविपाकन्नापयार्क॥ ९ ॥श्रीदयवावहृदिसक्रागि॥ श्रीवसूधावा
दविनगाहादयकलगथरुपनिमनंदगउगुकथनकासिद्धयानागयमात्र
धकंश्रीवसूधावादविनगाहादयकलं॥ १० ॥नदिमूखस्वधाघनदिविश्रु
स्वसानिधायःमममलंगलावःगगामममलंगलिलालस्ववहृदनाममम

धुले ॥ ११ ॥ धननिधीवसुधारादविषाग्नाहासिचनंधनवपाडानदिमूरवज्र
स्वधावनिष्कमनसहुलसउनाउधदभयावनीप्रस्वर्त ॥ ॥ जानावि
विषयकवनधुलाग्रहर्तकानो ॥ ॥ अस्वधावनदिमूरवनिष्कसुनंध
दभसउनाउस्वसुनिष्कविचिग्रवनाउमहाग्रहवापाडावन ॥ १२ ॥ ४
ग्रहावसनियमनसहुलकथेचविरुहामर्त्य ॥ ॥ अस्वार्थरगविनम
स्वमहुलगार्थिन वानलाकस्वसुनंधयमगाकगार्थिनदभमिक्तिसनगाथि

नवनिधनयक्तिउधकनसस्वायाप्रधानं ॥ १३ ॥ वदिकास्वनस्थित्वाविनि
प्रयधनयामिगिर्तकनाकि ॥ १४ ॥ धननिधयनिनिष्कसनंधिक्कनायाक
धनसामिक्तिनिष्कवदिकाधनसउनाउनामिसायाव्यश्याजः किलयास्वयानाउ
महानाउवदिकाधनसदानाननूयाधक निष्कडाने ॥ ॥ गदाऊ
नयदनिवासिऊनास्वक्वाजागादिव्याधावकागासनिमवनावाक ॥ ॥
स्ववलसधयनिनिष्कवदिकासमहानाउस्वयधकनिष्कसुनंधमहानाउश

नं धनलिथनसिथदभपात्राकपानिसनंभृहावाहजगुस्ववगायापुजापनिस
सालः हायरगार्थिनवानाकस्वनदनगुययायुवचनंमहालाजवानधकंनस
गायाडाचानं॥ १५ ॥ पूर्वोस्वितनिद्रयनकथिनाकादभयिदिभनंनवधि
वायानसर्वजनानदखादियाजिजोरनवक्रनावन॥ **अथनलिथ**
दभजनयानिसनंमरुगशाचार्यवायाजनिद्रयवनाजस्वलशूलः दशलाकन
वनजामालः हायरगार्थिनजोरनवक्रलीमिसाधकथिथिषज्ञानाजानवा

४६ ॥ नदभनिमाणनवकुनसकनदयकन्यानागकन्यामानवकन्यान्
मिश्रवायुगमा॥ **अथकन्यापनिधनाजदशलाकपानिसकलंखज्ञायमरु**
सजाचार्यवायाजानमंविस्मृकंवाजाधालः थपनिदवकंन्यानाहनमयूना
गकन्यानागथथपनिशूनर्थनंवानलाकमथमशुलसगवदलसंमयनाधकंथि
थिखज्ञानाजानं॥ १७ ॥ साजेकथामनैमिथिमरुहमाशनः पूर्वकथाव
दक्रिष्टपथिमउरुनप्रतिदिनंमिक्तंकराकि॥ **अथदविगतापनिगथ**

इल्लखलसाद्यगुलिथानसमवानकत्कावनं पूर्वदिक्प्रियमउग्रनवउदिगसं
क्रियं २ उलगामहलाअकृतं ॥ १८ ॥ यथा योनिकनासर्विकनादृष्टकानपूनखनि
करमागत्वावाहानिवदिनं ॥ **यावनथथकृजगुयनागदगयालाकपनिस्**
कलीश्वार्यवायाडा हगारसनंअनाडा नाजायाकः नापयामं ॥ १९ ॥ दवीकिमर्थ
वदिकाथानदविन्नीओरुनयकिदिनं गिर्क कनाकिभुरुनिर्मिकं वाअसूरुनिर्मिकं

७

वानामित्वेकिहासीगार्थविहापिनं ॥ **हमलनाकादयानिमिकं वदिकाथा**
नसमहानाडावानग्रमीओरुनीमिसानिक्कः क्रियं २ महनाहाअवानआयिडाहिन
लाधकं वः नापयामं ॥ २० ॥ नाजायायकिअहाययिगुरुनास्ति नाजाचिन्नाप
वाववस्तिना ॥ **याथपुजायनिसर्नधाडागुयदनाडावाकानंआहदयकलं**
हपुजालाकयनिः मिसाऊनअनधास्यविज्ञामरिधकं वायाडा मनसश्रीदवविजया
नाडासमकं वानं ॥ २१ ॥ गजकानदानग्रुयिनादहगगणनवाकामागना ॥

यत्थन धूगुमगनसग्निनदहनयेहन श्वत्थमिदनानंथवाकावाकधननेपिहमडा
मवानेग २२ गगदनेनयग्निनाधावविकयकाकिमर्थनागामागता ॥ २२ ॥
थनलिथनगनसग्निनदहनयाडाहयानेथवाकाः वाकधननेपिहमडायाडा असाधा
वनदिमूषनिक्कस्यनविक्कनायार्तं कूयाअर्थनेवाकावाकधननेपिहमडायाडा असा
धावनदिमूषनिक्कस्यनविक्कनायार्तं ॥ गगादवित्राहावीनानकिंयथा क
नेअपिगुमाहावलाहनूपमाख्यायउद्यानयूक्तनधीविधंसनायगन ॥ ग

थनलिअसाधावनदिमूषथिथिंसावसायाडाधा हनदिमूषअडागीउवसूधावाद
पीयाअहाविनेहनवानायाकामइ वावाहयानूपकयाडावाकायाउद्यानविधनेनस्यन
कनडाननूपाधकीनिक्कवावाहयानूपकयाउडजानसडाने ॥ २४ ॥ गगादसदि
सवलाकः नदिमूषमाहकिंसकिगनविधिसयामिआह ॥ कथाकार्कसप्रादिमगथा
कवीष्ममिविधीसर्ग ॥ थनलिथयनिनिक्कथउजानसडाननदीदेमरव
असाधावयाकधालं गथमिजिसनयायकूकनयायधकशसवायाउवसुदिगस

पाडाविशद नरुना उडमान पूषू निसन कलं॥

॥ गकाउमान रुनायार्क

महाबला रुच्छा नाजा निवादिगदवमाहवला रुन पूषू न निविधं सिग ॥ २५ ॥

थनलिउमान पूषूलि विगायाना यान शक वयाः नायक वना उहाना नाजा गृहस

अना उना जाया कविन मियार्कः कउधन वना रुनि झसनी कल पाल पाउ यान पूषू विधि

सनं सन कल धक विन मियार्क ॥

॥ नाजाः रुत्वा उधार्स उभन किं रु विधमि

रुद्र रुवन रु विधमि रुद्र किउ था दधु धा र्थ नाका वरी किस्म ॥ २६ ॥ थन

थन उमान याव रुना उना कूयाय पूषू यध क मन सरा सपा अर्ध थथा ना उपाय कपि

वाय कलं ॥

॥ गका रुत्वा पो न रुना नाजा सरा गना किं माह्वा पयमि ॥ २७ ॥

थथ दधु थाना याय कख ना उपाय कला कप निस कलं ना जा या सरा स उना उना ना जा या क

पि ना पयार्कः रु महा नाजा धक ॥

॥ झुहा झुगार्थ झुष किं न जाना मि उ यान रु मि

व न सं गका रु किं क विध्या मि ॥ २८ ॥

॥ थन लिना जानं ग्राह्य दय कलं रु य जाला क

प निरु मि सनी म सिया ना ग उधन वना रु नि झ उपाय मि कि स उ यान पूषूलि विधि स

न संमक वशायपनिमिस्मिन्नकुरुनयानाडा लायध के आह्लादय कर्त्त ॥ २८ ॥
 अथ अमात निवदिन आह्लादहि ॥ २९ ॥ अथ वा जानं आह्लादय कुरु लिख
 ना अथ काय निस्पनं वा काया कंठं ना या गंधं महाना कुरु लया लस्य नं गथयाय ध कं आ
 ह्लादय कल अथ किमिस्पनं याय ध कंठं नाय या र्त्त ॥ ३० ॥ अथा उवाच सर्व ह म
 उवाच नरु मिगम नाय व ना ह क द नाय क थ ग म न र थ क व स र्व क ना क दा ह ॥ ३१ ॥
वा जानं आह्लादय कल आग सिक्कि स क ल्यं अथ उवाच स उना ड म हा व ना ह क र्त्त मा

ल ग थ या ना नं कि व अ थ पा ड ध कं वा जानं आह्लादय कुरु व द ना ड म र्त्त ला क नं
 धालं ॥ ३२ ॥ यथा मु म ह ना जान सर्व जन सी कि क्त्वा ग र्त्त कि क्त्वा थिय व ना
 ॥ ग थ द ल पा ल स नं आह्लादय कल थ थ कि मिस्पनं याय ध कं क या व क्त्वा
 अवा न ॥ ३३ ॥ पूर्व दि स वा का द क्रि धा दि र्ग अ मा य य थि म दि स स ना य कि उ र्त्त
 दि म्मा स र्व षो व क ना रि ण ॥ ३४ ॥ अथ य नि ग थ वा न धा ल साः पूर्व दि सा स ना
 मा द क्रि व दि म्मा स म क्रिः य थि म दि म्मा स र्ग ना य कि उ र्त्त दि म्मा स उ ग ला क य

कथं धवा अधक नाशानं आह्लादय कल ॥

॥ स्थित्वा पुनया मास सञ्जिह

वा ॥ ३३ ॥ सकल सनना वला कका अथा अधक आह्लादय कल ॥

॥ वा कां

पुनवा द आह्लादय कल ग्वक्रया दि सानं थवा नानि क्रया क धाल रुति नापं म द्धु

हिरुति नापं म आय क वि सि क न द्वा म सा थ क्रया क सा क्रिया यः जिडा का यः सर्व

स्य का य ध क धालं ॥ ३४ ॥ नना म न हा व ला रु सर्व जिना द्वा सं ज्ञा सि म म हा का

ला रु म द्वा यः ला उ था यः द्म दि स व व ला क म हा डा द्ध क ना मि ॥ ३५ ॥ ॥ धवा र्का

वा ला रु य नि नि क्र स नं द ना डा ला क मू दि क व ना डा मू नि क ला ल म द्वा ना या डा द्

ना डा द्म दि ग मं स्त या डा वि म द्ध नं हा ल थ थ हा ल उ नू क ज रु स ड ल ॥

नना मू र्ध काल म द्ध रु ति क उ दि स ना क पि रु ति रु उ दि स य ना प चि ॥ ३६ ॥ ॥ थ

य नि नि क्र हा ना डा वा न व ल स वा यू क अ ध न रु स ड या डा मू र्ध का न रु स ड या डा द्

व रु म द्वा क रु स ड लः श्व व ल ना डा वा ना गु लि दि सानं वा ना रु य नि नि क्र व ग न

वि स ड नं ॥ ॥ ना डा मू र्दि कः प धा रु क स ड उ म न ना व क व ला रु न रु

नमः नावत्तयस्वमिवाकाशस्वमानुषसर्वकृत्नाथदिगुगक ॥ ३७ ॥ वाका
 नागुलिदिसानंश्चवानाहनिक्कविस्तानाशमाकाशस्वकीकयाडावानं नानंअयस
 रुयाअषविस्समकंथानाअःवाकांचिन्ननापागंःआडाकृणायधकंयव्यालसश्चवाना
 हःलानाःआनाहयस्सश्चवल्लिनिजिथअवाकलिहाअयधकंयनिहायाना
 आसन्नगयाडावावाहलिनाअनं ॥ ॥ किंविइवंगमकदावाकायस्यतिमदाम
 हाइवंगमसर्वपांनकृत्नामनहंगकृत्वायकिनिर्गता ॥ ३८ ॥ ॥ **धम्महाववाहय**

११

निगायिनथनकअनंपजापनिस्सनीवाकाकायिनथनकअनयनाडासकजया
 मनहंगकृयाअलिहाअनं ॥ ॥ नदिमूवन्नस्वधाषःअस्वअविचयवा
 अ॥ ३ ॥ अस्वमाहर्किस्सननामवकवाकागक ॥ ३९ ॥ ॥ **धत्थपजापनिलिहाअसं**
 लिःनदिमूवंअस्वधारवयाहुअनधालःहअस्वधापमिनिक्कःववाहनूपकालगा
 अःसन्नयाकइविनावाकासन्नहंरुयकलयनंकायिनथीकमन्नययागंममइथासः
 धानकयनं ॥ ॥ सानवाकावकगमःगगावाकाअस्वकवृकंनवंइस्वनथय

किंकिटसननसमास्यकि॥ ५० ॥ थनलिवाकांखगनास्यः स्यनष्टकककदक
 वनाअसनश्चनंकहाअयाआश्रुस्वकविक्रसिमाकासमाआदिनायानूयावान् ॥ ५१ ॥
 गरावकास्यनयानियाशुमिह्यमिस्यनःयानियवसवियेककथंपनिययक॥ ५२ ॥
थवलसवाअनस्यनयाहुअनधालः हसनकिरुविकनयासवालिजिगहनं जि
 गलखकायाअमानकिश्रुनिकनं ॐ श्राकलधकवाकानग्राह्यदयकलः स्यनध
 लं हमहनाकागथयायः थनलखखगनायंमद्रः किनंयासवालंगनसालअन

१२

धकधालं॥ ॥ सनवाचमहनाकसंशयवृकंनवथियताःयानियंयनगाय
 मानंगद्यसिकत्यगगागककिंचिइवअवनदिसद्यत्वावत्वत्रिकरगक॥ ५३ ॥
थनसनंवाकायाहुअनधालः हमहनाकाद्यलपालध्वकस्वकविक्रयाकसविया
 इनकिनेद्यलपालयाकवैयकायाअयधकधालंअनसवनदीयासद्यगायाअदू
 नसथनकाअखनअनी॥ ॥ कडसिकमाअनसंगुष्टकःकककिवसमापमह
 ह्वनअयसवाखिप्रकसंधाननायनिवुकि॥ ५४ ॥ थथइवसइहाअनआखग

नास्वस्वनदिषनामनसहर्षमानयानाडाधनदियाकिवसकअधनवधद्युलि
 दयाउवाचः धुगुलिनधसत्रयस ॥ वायनिसनभीउवसद्धावादवियायुमधर्मदनाअ
 वानधनं ॥ ॥ साश्रयसवास्वदृह्याहशाकानिर्मानवकमनूव्यामकनाम
 दृगा ॥ ४४ ॥ यथयानधनाअश्रयसवायनिसनमनूयस्वनाडाधलः हमानवस
 नूयाः धनमनूव्यायाश्रयमथसहगहनआयाधकगुगुविनगवनंआयाधकश्रयस
 यनिसनंठनं ॥ ॥ सनावाच ॥ वाश्रस्वनाहनमिद्वरस्वननागादु कुरुर्वकः

म ३२

१३

नाप्रणागतधुयप्रहावाकारमनमागतहं ॥ ४५ ॥ हृदविस्ववीगिस्व
 र्यप्रहादयवाकापादआयाकिधर्कः नापयानि ॥ ॥ साउवाचकथं मागक
 पुनचददविगनयनिसनंश्राहादयकलः हमानवदुःधनसूनानेधयाहवगत्यः
 आयाधकठनं ॥ ४६ ॥ सनावाचः सवाकास्वनापवहेमिद्वरस्वनवागदद्वयसव
 कनाप्रणागतवाकाममप्रनियकास्वकद्वकलकिद्युकिवाकारवाउवाथयानि
 र्यमचययामिहसस्वनदिसहधुवाहगना ॥ ४७ ॥ हनीशनंधालथप्र

सूर्यादयवाग्रश्रुत्वकचक्रमिमाकासगयागमथाः ध्ववाकायाश्रुतिषासुवायाअ
 लषमालगनाधकडायाधकञ्जनाययाकं ॥ ४७ ॥ धुवननदिसदमाकधन्निहाग
 गरुडममरागनदवीदुनिषाफ ॥ ४८ ॥ **धुगुलिस्वननदिसददनाअः धनर**
 क्रिरागनंछलपालयनिसदनिडि, कनाकधक ॥ ४९ ॥ **दविप्रसादास्वन**
 नदिलंघयित्वाः स्वविनंरगत्वादविगनयादवदनांकनाकि ॥ ५० ॥ **धनं**
लिख्यदविगनयनिदग्निः वानाअमहाः ह्यमानरुयाअस्वननदिनंघनायाना

१४

अः हगारसननासगहागलयाअदविगनयनिसयाइकासनमस्कात्रयाक ॥ ५१ ॥
 दविकिंश्रुगमानाधयिष्यामि ॥ ५० ॥ **हदविहस्वलिछलपालयनिसनंछ**
 वगधर्मदनाअविष्कानाधकञ्जनाययाकं ॥ ५१ ॥ **अपसनावाचमानवनमानासि**
 कस्वर्इश्रवदानिडभाव नार्थशीवस्रधानावुरुमालाधयामि ॥ ५२ ॥ **हमानवहम**
 नृवादनदमसियालासमरुदानिडइश्रवभावकगुश्रुर्थनंश्चशीवस्रधानादवि
 याधर्मवुरुकिमिस्वनश्रानाधनायानाअवानाधकशाहादयकली ॥ ५३ ॥ **सण**

भवदविममारुताषिगप्रसिद्धदिविब्रजमात्राधयामि॥ ॥थनसनंदवि
 गुनयनिस्क००नापयार्ग॥ ॥दविगनप्रसिद्धदिविब्रजमात्राधयामि॥ ॥
 हविगनसग्ननय००नाःहपनमस्तवीःआसाजिनंथुगुलिब्रजधमीक्रिर्नदनअनिम
 नस००क्राकलधकं००नापयार्ग॥ ॥साह००क्रामिगवमनावर्थपूनयामि॥
 यगोरुडवकृष्णगीयासर्वपाकमयंपूष्यधयदीपनेवयादिसमीवकृष्णवकृन्॥
 दविगनयनिसनंआहृदयकलंकुनसनसअनिर्न००क्राकलसाथुलिजिमिसनं

दयकाशवियःरुसनहु०॥अवकृग्वदलसुधालसाण्डवकृष्णारुगीयापूनसमस्त
 पीकमयनंपूष्यधूपदियनेवययादिगायलाकक॥ ॥पूनसर्वगक्षसनसहि
 कसर्वकृनाऊथवकृधनसागनेनवाकवाकिगथाकवागि॥ ॥पूनवदथयसस
 रुगाललाककाउदविगनयनिसनंआहृदयकलंकुगुलिथीवसधवावदवि
 यागुधर्मवकृदनकःवकृधनकथागकयनिसनंआहृदयकाकनधथथकिमिसनध
 धर्मदनाधक॥ ॥पूननयिदक्षिणमानवकवेवकनिष्ठासिपिहंमधामधुल

बाजापुरिभित्तियथादसिक्तकथाकविम्यासि ॥ एनवीददविगधयनि स
 नंन्राहादयकलंरुमानवमनव्यथथयाजधकैः एनमममधुलसजनाबाजाप्र
 रुनिनः एनयाकः किमिसनंकनाथथगुलिवरुधर्मदनयागः कनाउयागकिधक
 न्राहादयकलं ॥ ॥ माहालाक्ष्मिभवनाथधनक्षनभुवर्ध्मूयवहुनागमिष्य
 श्रयवमिगयामिपुरुषगसंपूर्ध्मिनिपालनार्थदधिग्वमयापिष्टकादिनादापि
 नं ॥ ॥ धधर्मवदनयानिमिरिनिभालसामहालक्ष्मिनायनिमिरिनस

१३

वर्ध्मूयादिवत्तसमसुदपिउथथकिमिसनकनाउरुलधकैः कउः धनलि
 वरुधर्मसकगोधसालिः पालनयायनइद्रगद्ययामधिः धैः उंयादिसकगीवि
 लं ॥ ॥ गदासननरुक्रनसमयगठकिवागोरुननिनप्रासभविषयसर्वहा
 हियादिः दविगनसंलगधबाजासमियनसर्वबाजयुक्रमलस्थिदृष्टसराधिरं ॥
 धवलसदविगधयनिनंयावनयायगुवसुकवियगुनं बाजावमगाउः पालनया
 यनविउगुवसुककानाडादवीगनयनिः सकल्यनमस्कावयानाउलिहाजयाउना

जायासमिपसमृत्तकचक्रसिमाकासवानथ^सथनक^सशिथि विवावयाम ॥ ॥
 नाकावायकिं[॥]गांवकविलंवि[॥] ॥ वाजानंधालहमानक[॥]याजिनि[॥]लिनी[॥]
 विलंरु[॥]गधक[॥]ठनं ॥ ॥ सनावायभ्रमसामहानायायानियम[॥] न्तयवमीना
 मृदुदवीगद्यदृष्टाविवाविददविगनकिंकावनविवालि[॥] ॥ सनंधाल
 हमहानाकाक्रमस्वदुलया[॥]लयाकलंयकाननावलसमृद्धंमंदविगनपनिख
 नायाविवावयानाहदविगनपनि[॥]क्यानि[॥]सिनंधानविश्रमयानाविकानाधक[॥]दः

मानवरुणगगा ३

नाथनमृपसवागधयनि[॥]सनंधालीहमानवदुगननंआयाधक[॥]ठनं ॥ ॥
 ममउदकार्थमागगाहं ॥ ॥ किनीधायालरवकाननायाधक[॥]धया ॥ ॥
 नकनंधीवस्रधावावगसर्वमृपसवागधनानावुगधनामयाकंदविगद्यममाहिना
 धिकममारि[॥]मृवयामि ॥ ॥ धनहिसकलंमृपसवागयनिनानाकनरुनंधी[॥]वस्र
 धावादवियावुगधमदनाजानवचनाजकिनीमृवगधमकिनीददधक[॥]धया[॥]आवुगदना[॥]आ
 वाना ॥ ॥ गनहउनाविलंहेवेयकिमहावाजाक्रमस्वममपावनार्थरुविगुकादधिम

हिममयपानिर्युंरुसियगउयध्विर्म॥

॥ थुगुलियानिमिलिनं क्रिरुदिवि

विलंरुलहमहाबाजाक्रमस्वदलयालहनासनायिअधकं क्रिमपावनपायः यागविशगुः

मधिरुधनः साषट्तिममगविलः ध्वसक ~~गो~~ क्रिनीलिन कहवाधकंः ध्वगषडनाअ

सनंरुयागुसकगाबाजायागदाहलया॥

॥ बाजाआहः श्रुहाआवायः श्रीश्वसुधः

शिवगध्रवाचजामिः गवासनः यानवसुस्ववृयंद छ्वाससयिक॥

॥ ध्वगवसु

कविसालिनाजीआहादयकलः हसनः गवाधनआध्वर्य श्रीवसुधवाद्यवियाधमवुह

१८

सननिष्कसन ३

धयागुः क्रिनंगववलसंहनमननासियागुसइधकंसनंविडागुवसुकषनाअना ~~अना~~ ^{जा} ~~अना~~ ^{अना}

दशल॥ ॥ गदनंगेलश्रूनरुकमहासंतुष्टजानः हसलुष्टाकनकथयकिममरुव

धदभनाअगविसं॥

॥ ध्वनलिध्ववसुकुवाजनंरुकलयाडाहदयउरुसुवाप

वाजाआनीदशयागः हसनममगुलिउवनसः क्रिउमश्रुकिंरुकाकलधकधाल॥ : गद

गद्यवतः रुवनदभनायधर्मध्ववायममाहिलाषकाकगद्यव॥

॥ हसन

अमथानसाकिवा नायायडाः थुगुलिरुवनसजानाडादविगनयनिमदधनिवायधर्मस

भट्टिजिनंठनकिमनसंश्चरुलोककावनेउगुलिथानसवानाउयनसाधकधाले॥
 सनावाच॥ उवममुमहावाजासहावागवाजासनागकदविकागमदभासुवाफ॥
 सनंधालेहमहावाजाजिगधकवाजासेननिजंजनःश्चदविगनयनिसधेर्मदनथास
 थनकलजन॥ ॥ गकःशुवनदविगनगिष्ठमिधर्मस्नाननानापूयाधपःजीदा
 ववसेछादिदवाहमनालायप्रद॥ ॥ वागासननिजधर्मदिनाथासथनकन
 जालेथगुलिथानसदविगनयनिष्ठजैःमदिकाकशूनगानाविविगुस्नानककद

१२

वागवानयनाउवाजानधालगर्थिनकिरोलधकदविगनयनिदधनियायधकगयां
 किमदधनिसलाधकधाले॥ ॥ गदधविगुर्थदविगनविष्ठाकध्मकासगानि
 गदसिगवागासर्वसनदसिगसनपृष्ठ॥ ॥ धनवागासनजनिश्चवनंखका
 नाउवानवलसदविगनयनिसनंशाकासवानिशयाउहमानवमनूक्रकिमिस्सन
 मालकायःसनयाह्मजनधयागहयधूनःधयाकधनाउयाउधककासनधयाह
 ले॥ ॥ वागाह्मकाकध्मःगह्मवमनमस्नानकृत्वाप्रणागम॥ ॥ धमद

विगनयनिसनंम्राहादयकगुलिषदनाडाथवाज्ञानंथगुमिरुवनसदविगनयनि
 रुनमस्त्वयानाडालिहायाडाज्ञापायाथसस्त्वकदृकयाकसवानउर्ल॥ १॥
 कथस्त्वकदृकगलस्यनननमस्त्वानंकत्वासनस्त्वमाहय॥ १०॥ **॥ धनलि**
स्वकृमिमाकसदानकसवयाकनमस्त्वानंघानंथननागनहसनदंसवगअधकं
गज्ञानधाले॥ ॥ एनवावकथंनानावावयामि॥ **॥ सनधालेहमहावा**
नादृलपानपासवजिनंनगधगयन्नजालाधकधाले॥ ॥ **॥ नाकावावददायमुनि**

२०

वनवाप्रयागधायोरुवकिणनहापितसनप्रमूखावाज्ञासहिर्गस्त्वमावाहयंनि
 नकडीनानगेवसमिपयाफ॥ ॥ **॥ धनहनंनगज्ञानंम्राहादयकलःहसनश्रा**
डाकगुन्नकलदउपाधायानाडाधर्मददृनंसवगअधकंनिर्कःसवगयागलिहा
उर्ल॥ ॥ **॥ नाकाश्रमाथप्रहकिथोन्ननावाज्ञाप्रणागमाधुस्वाश्रमाथाप्रहकिथो**
मरुगानगवदसिमागलामहासर्वनमहगास्त्वाननयादवचनादृत्वावागकूनमा
लिगा॥ ॥ **॥ धनंलिनागादभयासमिपसथनःप्रमानःप्रकायनिर्जनःवाज्ञालि**

हाउलधकसमावालसिवाअपुमानः॥यादिसक ल्यंदसनीपिहाअयाअवाअवस्व
 याअमहानसगायाअवामानमस्काचयानाअमहामान्ययानाअवाअगृहस्विकादि
 कर्त्त॥ ॥यथाकवागृहपादपुष्पाकाचनसमयः राहापिमठसनपादपुष्पा
 ययन॥ ॥थननोक्रमहमेथनाअपादपुष्पाचनयायकेनवलसवाअनंआ
 हादयेकलहसनद्रापाद्यनहुतिमिअधकधयाअसनयाकहुतिमिनकलःथनलि
 नाकायाहुतिमिन॥ ॥आहकथंवाकाविशुभाहवनिवाकाहानलेचनः॥

२१

प्रथमसनपुष्पाचनयिलापथाद्राकाप्रकाभि॥ ॥थनंलिप्रकाप्रमानपनिस्नंथि
 थिषलाक मिजिसवाकाथूलिकउत्तमकलः वाकायास्नहीनशलवाकापासनयाग
 हुतिमिनकललियनसथअपादपुष्पाचनयाकगृहवात॥ ॥गदनंननवागृह
 प्रथियन्नसमगतादाययिनि॥यावंकुत्वाकविदिनानियलयामास॥ ॥थननायम
 हाऊनयाककाअइःखयासकनाअसमूकदिनअनमवास्यस्वपनंथानं॥ ॥यथावशः
 दीनासमागा॥ ॥पुनवदिधर्मदनदिनरुयाअाल॥ ॥वाकावावश्रमाश्रमजिउ

॥ निम्नस्वात्मवसतः श्रीश्वस्रधामावुक्तमानाधयामिसर्वयित्तमयंसर्गिकृत् ॥ १८ ॥
 धनलिगजानेभ्राण्यादयकलंः इमक्तिप्रियत्तिनं सिद्धिसकृद्दिआव्यामसनेथी उव
 सुधादेवियावतधर्मदनननादमिसनेयीकमयनं नाललाककिअधकधन ॥ १९ ॥
 ॐ न्याकर्त्तमक्तिरिसक ॥ १९ ॥ अथराज्ञानंभ्राण्यादयकागुरियठनाअमेर्द्धिदियः
 निसनेसमस्तविधिनाललाककृत् ॥ ॥ अथराज्ञाभ्राण्याउयाध्यायकर्त्तसनेय
 रिअंनृत्ताकर्त्तलाकावायवर्त्तनामथीसनरुयउयाध्यायनामस्तुयिर्त्त ॥ ८० ॥

धनलिप्तनउयाध्याययश्चनंराज्ञानसनइककईयानधनलिवयइंइयधूनकाअ
 कावायवस्तुनेकसागः॥यादिनंनियकाअथीसनगुफउयाध्यायधकनामकईयाने॥
 ॥नथास्ठाययित्वासनगुफउयाध्यायनेवसमावाधुना॥८१॥धनराज्ञास
 नगुफउयाध्यायधकनामयानाअधनलिध्नसनगुफउयाध्यायइयाअथीवसेधमादवि
 वनधम्मदनकले॥॥रागापुहनिश्रुताकवसगाथसहिमं॥इयवृत्तदविवन
 स्रुधालिना॥स्रहस्रवृत्तस्रुंइहावागायननपुहिक॥॥धनसर्थादयवा

जाप्रहिनिनंसगग्यामसनंभीवसंभवादवियावुनधर्मदनधसूर्योदयागजायाकना
 मचूतदविनंवनभुक्तानंह्यानागुलिबुर्काथगवाहामिनंवनरूनागम्यालनंकुति
 नकनडाकं॥ ॥नरूदननिम्बदविचमिसमागनामवधर्मभद्वत्वा।नेथमिपुनि
 दिनेयकथालिखुक्तमंगः॥त्वादयारुकिनागडावपाफ॥ ८३ ॥थथवुनकोसूउका
 क्रुतिकलहगुलिधमराजायाकनामःस्वयमययायिनिनाअनिम्बवनसगयाअनि
 वदवियानःरुहामिननंक्रियक्रियनंरागगृहसुक्रिनंदुह्यावकाकागियिअथधमिनि

२३

नंभीउवगुधवादवियावुनधर्मसददनधसम्यावयाकासचानाअठनाअचानै॥०॥
 नदाकासादवकसचमिकाहाययमिगदकावेनमस्कायेंहत्वानिंवननयग्यागना
 ॥ ८४ ॥थवलसचूतदविनंकुतिकवहगुविबुर्काथमनिम्बदवियाच
 मिनिबंयामसूरुगअवधचमिनीनंथवुनकाक्रुतिकवहगुविबुनकाथमन
 नमस्कावयानाअनिमंनिम्बवनसविहाअनै॥ ॥त्वविगै२निम्बवनवि
 हायिगैगानगृहभीउवसूधवावुरुत्वाडावमिहमिगदाचूतदविबुर्कगुर्

छिन्नायदिहं ममाहाफकिर्तुहिन्नावागकाहं ग्यानादिगुविरुमिच्छावृत्तमावाध
 यासि॥ ॥ **श्ववगनिर्नृणा** सनीलिहायाडाः निष्कदवियाङ्गानधालः ह्यनि
 दविमिजिसवाङ्ग च गुरुसः श्रीवसूधनादवियावृत्तधर्मदवागवानकिर्तुनाङ्गता
 वसूधनाङ्गठनाङ्गवाना वलसवृत्तदविर्नवृत्तकावगदूनाङ्गः ग्याननीकृत्तिकनहन
 जिकश्युचुंथुगुलिनमस्तानयानाङ्गहयाहदविहमहागानिश्चक्रश्रीवसूधनाद
 वियाधर्मवृत्तमिजिसनीगुविसनानप्रियरुयानाङ्गथुगुलिधर्मवृत्तदननूपाधकवि

२४

नकियातं॥ ॥ **श्ववगनिः** निम्बवनप्रस्तावसूधनमानासिः स्त्रानादिकंरुत्तानि
 नैःवृत्तमानाधीनाकिथीति॥ ॥ **श्ववगनिः** निष्कदवियावृत्तधर्मदवागवानकिर्तुनाङ्गता
 ह्यवगनिजिज्याधधकंशुविसनानयानाङ्गश्रीवसूधनादवीयावृत्तधर्मदनधकधया
 जनिम्बदविज्यावृत्तनिगनिष्कसनेः श्रीवसूधनादवियाधर्मवृत्तदूनाङ्गवानं॥ ॥
 नजान्कनश्रीवसूधनादविचिकिर्तुदूधनूयनवाङ्गजनगद्यमिच्छासिद्धावाङ्गदानमा
 गनृकधिविचिकिर्तुवाङ्गनाहगान् ह्यमगद्य॥ ॥ **श्ववगनिः** श्रीवसूधनादवि

नीविन नायाकंगथधानसावृद्धकानक्रिधियागुनिः वृषज्याउ। नाकडावस्वा नायक
 दविषारुहकिं सनगाडाधालः दानधालसाध्वयानपनिपाजयाधकहालपाज
 नीरवसखावादविनाकडावसविज्ञानाउवृषदविषाकडाविनिनीसुनगाडावान। य
 ग्राहमनावकिपुष्टि किंमहात्म ॥ ॥ थरधसगमाजः धर्चनिगयाजः हवृद्धिजि
 थिष्टग्राहादयकाधाल ॥ ॥ वृक्षीवावयतिरमसववनः माहमागामहगगानाक
 डावमूपदधवृषदविज्ञागताः यदिनागमासिः वागायननदयि ॥ ॥ धननिष्टि

२३

क्रिथिनधालः हवृद्धिदनेनानियाहुजानद्वनक्रिमाकडायावाकडावस्वा नाडावान
 धकधडाः लिमनासाः म्यानेरुतिकास्व ॥ लिवासानायलाडाधकधाडाधकधाल ॥
 ॥ याकहीरनिवाकडावगृहगंगवि वृषदविविहापिगादविवृधनवमारुमाप
 महववनं कलाहवविवावधार्थनाकडावनिष्टि ॥ ॥ धनवृद्धिक्रिथियाध
 दनाडाह्वनिनिननाकगृहजानाउवृषदविषाकडाउद्वः नापयानः हदविमहावनि
 दनयालायामामयामामज्जिमाकधकक्रिथिष्टस्यनं कलाहवविवावधार्थनि

र्थगच्छामिनिम्ववनेपाफ २४ पुनत्रवादधीवसंभावादविनेचिकनायामंजि
 नेचरुदविउधाययायधकडानेःथयायिनिनेमसिगःआगाजिनिम्ववनेसशनागः
 निम्वदविउधाययागडधकनिम्ववनेसविज्जागं प्रविम्ववनिआहूकानि
 रुपमिश्वचठनविचारनार्थमागगाहउयविचाप्रमागमासिविग्यायय २५
 थनविशीवसंभावादधीनिम्ववनेसशनागनिम्वदवियागसलगाजथवृद्धिरूप
 जिथिनंधालहचमिनिजिनीनिम्वदविविचारयायधकंशयाहुयानाशचानथ

२७

थनजिअयाशचाननिम्वदविकहागभगधकंधान॥२॥मिश्रुवाचमिगवादविविह्रायिक
 दविकवविचारनार्थवृद्धकहावसप्रतिहृति २३ थवृद्धिजिथियाखठनाशचरुनि
 धानगनाशदवियाहुअनःनाययागं हदविमहागानिहलयालविचालयायमर्थने
 अयाधकंवृद्धकायजिथिहममिजिसहावसचानाशचान॥निम्वदविवाचकिंचकवीवि
 चिंमृदहउयवमकत्वकिंमाकमाकायामिमहउरउयविम्वमावकथ २७ थ
 कचमनियाखठनाआनिम्वदविनेधाल॥हचरुनिभ्रमवृधजिथिनहृधायहविंमनाया

कडावधकं भूमयाकदुगुलिहृदयवकं थुगुलिधर्मदनाशचानावयसगशमवाहमावध
कयूनवादनिस्यदविनेचकनिसाहृगहधालेः हवगनिहृगनाशभूमवृद्धिजिथिचनइकवा
नाशहकि चकनिगवावृद्धभागमामिउयविभमीउयविगलीत्वीविवायादिकत्वाकिहृ
किंवुरुमावाचविने २८ थथनिम्वदवियाभ्राह्महनाशचकनिनेहनवृद्धिजिथिया २८
कवाले॥ हभूमिमाशकिमिवा निनेइहाविग्याहृधकं धावविग्याहृधकथ्ववृद्धिथनवाना
आयनंथिथिविचालयानं वृधोवाच॥ किंवुरुमावाचविने २८ थनलिहृ

धिमिथिनेधरहृपकाइयनिसहृवुरुधरवयाशचानाधकधायं दव्यावाच॥ वृध
० श्रीवसेधगावचविष्यामिमममलुहापभूर्ययाइनविद्यककदविप्रशनहृमं १००
थनविहृधियाहृगहनिम्वदविनेधवेहभूमिमाशहृयायः श्रीउवसुधगादवियावृद्ध
धर्मदनाशचानाजिथिचिनभ्राह्मपनिहृयाशचानभूर्ययाइनायंसइकविवायाहृयनेभू
र्यपाकशानाशभूर्यवियाशचानाधकंविनमियां वृधोवाचसकमवसथेवृधि
निथयममलुधायवृधिरूपिकर्धार्थदिव्यरूयनमिथनि॥ भूहोयइयइनीयविवायहृ

सहिदुनप्रकासितं १०१ धननिवृद्धिद्विधिनं धननिम्बदविनिम्बयने भूमव
 नधर्मदनालाभकं ह्नासचायमन धिर्ज्ञयाग्निभयकयागधर्कथविश्रादयकाशः थ
 वृद्धिद्विधियाय यनायमागसाकाश्री ३ वसधागादवीयाय धनत्रयागया मयक २ नीपनि
 यविवायसहिदयामागविज्यान नकादविमोरुगवतिदृष्टा नृष्टायमानाहवायाः
 दामिप्रसारदिलोकनाति १०२ धननिधननिम्बदविने धनगवतिथी ३ वसधागादं
 विषनागमहाभद्रुनभाभ्यर्चवायागहनासनेभयपाशनागभयविषागलकपुयाग

२८

वान श्रीदवावाच ॥ हवत्सउमिष्ट २ नवदायिउड २ वनयभक्तिवकाधकाह्यगभयम
 सिमूकिविषाकारव १०३ श्रीवसधागादविने आह्लादयकप्रहमनधदग २ धर्ककयात्र
 ज्ञानागधने ॥ थथयवसडाविडमदयमानानावलसतर्ह्यत्वादिवकुषपिवीहिः
 व्यादियवियवैर्ह्ययमायधर्कभानिर्कदविले नकाहवकनिम्बदविसर्वलभि
 प्राफवागृहभुवैर्मयनभयार्थदिकीकिनिज्ञालप्रतिमदिनयालिज्ञाकयथामवर्ह
 पुनथनधर्मवसराक्रमीयर्हदिगतं ॥ निहविप्रसाहैकताहसभुयमनहयगी १०४

थनलिथमनिमदविने श्रीवसुधावादेवियाउसादेनीसमस्तलमिगः थनिम्वनसग
 थधालसासुवरेमयगहयामयधुमागानीकालथनागमयागुमहासाहायमानइया
 आचानः गादसिगथधालसासाप्रसखनाथंसमस्तलमिगनाअरुअधनेपसादयानाअ
 महाहर्षमानयानाअभानउयानाअसखनीचाने पुनर्वाइउकमयाधायतिप्रत्वानि ३०
 गृह्णामिमानवानांउदिउवाधिएकाइ न्नायसवि १०५ पुनर्वाइहनीश्रीवसुधावा
 देविनेआहादयकरहमनूषधुगुलिधर्मसहजकठनामाअनेगववल्सइः गवडाविउ

शयुगमधूनरकगतिअनमूवाअधकेनिम्वदविगाहुअनश्रीवसुधावादेविनेआहा
 दयकली कदाचिदनअविदिनानिउयानिप्राप्तीवकिनसंभयनविहथयनिदवः
 कावाधिनारुवअपुलरुहपुईमहाअधनधान्यकमहाधनेमहासागसेपुष्टेयविवा
 रक १०३ थनचिगायानायायंमरुगुविसेयारिवायिअसंकमूवाअहवनमशुगुथ
 मुदर्वसेपारिभुनानेवयथायययिअमपुहवनंमलेधनेरुयिअमपुपूर्वाइगवअया
 वाधिनेकयाअचानसांवाधिनासहयिअहनीगवअस्यापुउमदयाअचानसापुउग

रुदयीगहनं नमदयागवावसाभजयविपुलेशयिगसनसकजालाधिगधकधार्
 नयगापवधनरुद्रकाउवमासहृदि यानिधिभावेरुवुनगाकासमासिउठेपुन
 नाकूनकविधिति ॥ १०७ ॥ धनलिध्वरुदनदिनग्ववलसधाल
 साकाउवहृदि रुद्रावपुनरुद्रताः ॥ १०८ ॥ संकशम्वममानवयनिसनैथगुलिधर्मवु
 रुद्रनिगध्यादलकशधनरुद्रलायुगधर्क ॥ १०९ ॥ यकाभक्तध्यानरुवकि १०९
 धनजीवसध्यादविनीनिम्वदविषाहृगहधमधमनैथीमयनैभ्राह्मदयका

39

अभक्तध्यानशयागविष्णुन निम्वदविस्वरुसयनिवयानिर्धनिनीम्वदविव
 मनानाधुस्वरुगयुक्कयनिनानासंगंधवाविकद्यालिङ्गाकधित ११० निम्वद
 विनीसमरुवश्रिगनागमहाक्षरायमानशयागधानधनिम्ववनसगधिनशयागधा
 नधालसायुषुलिसनानासंगंधनस्वाकलेषयविपुलेशयागधानं भजानयग
 रुद्रगुरुर्थादयगाकावर्धधर्मविचालनाथसर्वज्ञनाधायकिचूतदवावयभजनधाम
 यकि ११० धनलिसूर्योदयगाजानैधजीवसध्यादवीयावर्धधर्मठनागधाना

वलसविजालयानमिजिम ॥ करयावर्तुमुद्रकाइवचरदवियावर्तुमुद्रमहाकधक
 ॥ दव्यवाच ॥ किं वरुमुद्रपयाजनममयाजवक्रिसीगाव १११ **थनचरदवियाहुगहवा**
 ज्ञानीआहादयकलेः रुचरदविजियनिसकरयावर्तुमुद्रकाइहनगथमदनधकराज्ञानी
 ठनथनजिनराजलान्ननंगकधकधाली नगागणादविप्रवाधितनसिकननाः
 विजिननित्वदविनाकानयामि ११२ **थनलिथराज्ञानचरदविवाधयायमरुया**
 अराज्ञानीचिकनायानभाजानित्वदविवानकरहायधकं **इदिसलाचननिंवव**

३२

नप्रवयैरिममवचननयिहागहुमहारनश्रीवसंधावर्तुमाधयामि ११३ **थन**
लिवाज्ञानआगणादयकलेः रुचरनिहुजनाजानित्वदविथनजिनवानकरहरधकध
आधकधमालिः थनचरनिहगा २ सनैनिम्ववनसमनाजानित्वदवियाहुगहचरनि
नंः नापयानेहदविमहाशालिहुलपालमहावाज्ञानीवानकरहरहुलपालराजगृ
हमविज्ञाइनधकेहुलपालमहिननश्रीवसंधारादवियावर्तुधर्मदनविज्ञाइनध
के **॥ आहुहुदव्यवाच ॥ नउरवनश्रीवसंधारावुधर्मपूरुवविदविप्रसादाम**

हावमिसेंप्राफदसराज्ञाकलगमनअपिप्रथाजनकिंरवतिनगहामि ११४ धुगच
 ननियामननाशनिम्वदविनेधपंरुचननिधनदिनेथीउवसेधरादवियावर्कधर्मदन
 धूनकाशथीवसेधरादवियाप्रसादनमहावमिसेपूर्यैरंरायधूनस्वअश्वकभ्रमरा
 ककलसजिगयायापुथाजनमइवकधार्च चकीनोहवचनशुलाप्रयागनराहा
 सर्वविगतनिधयराज्ञाभय्यायमानाहत्वाभृद्दृकाकागदसेन्यसकजागाराहासना
 गन ११५ धननिम्वदवियाभाहाडनागधचकिनिनेराजगृहसविहाजनाजनाज

33

निम्वदवियावर्कधर्मदनगुलियवृतागनायातकनेधनराज्ञानेधननियामनना
 अराज्ञाभृद्वायाअधकषटनाशराज्ञायामनसस्वरअठगुःःज्ञाश्याअस्वलविज्या
 न निम्ववनंप्राफनानाविचिइपुष्यपस्थलिकेयकनिसुगंस्ववासनापविपूर्य
 नानापडिनिक्जिगाराज्ञामगुनधुवर्कयमयोकिकिनिमालमदिकसस्वलिके॥
 ११३ धनराज्ञानिम्ववनमधनकाशधगुनिनिम्ववनगथचानधलसानानावि
 चितभ्रन्गतिनश्चानहायाअचानयपुनिसनानानस्याकयेस्वनेयविपूर्यश्या

अनानासंगलहंसयुक्ककिरमयूरचक्राः ॥ आदिनीभूमिहर्षमानयानाअचानध्ववन
 सगङ्गगृहस्यानीलेनभूवभूमययूयमयनेकिंकिनिज्ञावपनाअस्वरुयमानशयाअ
 स्वस्वैस्वयमगनाअहिनाअचान नगावाहावकूनमकककैथंमहावशिष्टाफ ११०
 थनानेराजाभूहृन्वायाअभारंभूहाभ्राचार्यध्वनिस्वदविनैथगुलिमहावशिष्टगुथ
 गङ्गवकैधारे नरुनानिस्वदविकाचननिस्वदव्यादिगाविचारनाथेगङ्गदविमूषि
 नैमाज्ञासूयवनदसयङ्गवशिष्टवति ११८ थनराज्ञानैभूहृन्वाचार्यवायाअचाः

38

नैथथवानवरसध्वनिस्वदवियाचननिनैस्वनागध्वचननिनीनिस्वदवियाहुशठ
 प्रार्थनायाङ्गदविमहागानिमिद्रिसमहागज्ञानैहृलयालविचालयायधकैभूर्ध
 नैमूस्हुनक्रिलागध्वनिस्ववनसस्वयाअविज्ञाहे ॥ ११९ ॥ स्वयाशहृलयालयायदि
 संपूर्णहृयधकधारे ययनिस्ववाज्ञामनधियगगानिस्ववनदवियाहुसहिकह
 लाविचिंरुदविकिराशिष्टाफ ११९ थनलिसूर्यादयगज्ञानैनिस्वदवियाहुसड
 लाविज्ञानागनिस्वदविचिचारयाहेरुनिस्वदविहृनयचिनविहृनैविकमहावशिः

गथशाना कक्षाद्विसर्ववृत्ताककथिर्गयाकामहासूयनमिष्टिकविदिनानिप्रवया
 मास १२० धनलिनिम्बदविर्नसर्ववृत्ताककथायाककदीध्वकगजानैठनाअध्वग
 ज्ञानिनिम्बदविशुषनंदिनअनमवाप्तुक्रयानाअचाने साहसजानिम्बवनः
 नानथाकगजाकलचूकदविकायाकुविहृदयनकथेकरुयनिक्कममगवागजावि
 रुसयित्वामानयामिचूकदवित्वविर्गयनिम्बवनंगत १२१ धनलिशङ्कगृहसवा
 नचचूकदविर्नधायैध्वगजानिम्बवननंलिहामगलधकचूकदविभूतिरुमवायाअध्व

३५

वे॥ध्वगजागथयानाअहयकिःशधकनिम्बवनसजानाअध्वपनिनिर्गगयाकअ
 धधकचिंरनायाकध्वचूकदविहृतासनीनिम्बवनसजाने कसंषाफनिम्बवन
 बुहृगजधूलिप्रष्टियथानलायिमाकनमहापाककनरुगुनाचूकदविकायमधिरुव
 मिमहाघाययपापस्त १२२ धनलिध्वचूकदविहृतासनीनिम्बवनसथनकल
 जनेःधननिम्बवदवियावृहृदनधूनकाअस्वानः॥यादिनअमानाकयागूलिचूकदवि
 नीस्वानहावीगायाअअनध्वस्वागमनाअनायापनीकककायनचूकदविभूपायदा ॥

खालरुले सर्वज्ञनाकारमयविनाकलाहलसर्वसत्वायलाः नाकिचिद्विगल
 कर्मरुमिषाफ १२३ थनलिचरुदविहाराखरुअयनागसर्वलाकनेयनथथरुय
 अयनागचरुदविहारापवायाअरुनागकर्मरुमियाइरसथनकविमजाने
 कनपूछरुमिद्वयद्वयायापियानियाकुगनपूछरुनिद्वयद्विगुहद्वयाजनेपिवयियूक
 विन्यासीरुधिरुःयकउगहसि १२४ थनचरुदविनेथमनीराययवःहायथजिग
 थिनयापिष्टभरुगिनिहसमत्ररुलेधकेद्वयानापायनीथलिइःयहलभाशजिनेथ

३३

नगनगनधकेजिगथरुलेधकेआचार्यवायाअनवलसथीवस्रवागदवियागनिडा
 यानागुमनागभाशजिनेथीउवस्रवागदवीदर्शनयागगठधकेइहाशनथथइहागठ
 पुनूययविनिगुविषनालानाचानथकलसचरुदविनीलेखनानमहालाशनवलसथ
 यूलिनकालीरुचरुदविहगनगठरुनाधकेधारे चरुदविमीमभुलुगिनीथी
 वस्रवागदविदर्शनायगहामि यरुवन्यावाच॥आवयावचनदविमाहोयिकक
 नमहायागकनभागीनिष्टाव १२५ थनचरुदविनीधालीजिथथिनभूगि

निरुयायानिमितिनेथीउवसैधागादविषादमनयागडावकैधायथमयठहाशयूष
 विनेधारेहचमदविनिमिगुयहुगुविश्रीवसुधागादविषादुडाठःनाययायमावहु
 यायायनेजियनिथधविग्रहकयाडावाठमावधकैधमगठनाडावमदविधननेड
 हाडनी मडलेघयित्वायनत्रपिगकमकगादकनकनमहापाककननिष्ठावःति
 दविविहायिता १२३ धनलिइहाडनाडागकशुक्रयनाडागदशुक्रनेधालेहचम
 दविहगनडाठकनाधकठनेचमदविनेथीवसुधागादविदर्शनयायगडाठकनाधक

३७

धालेधनगदशुक्रनेधालेजियनिहुयायायनेगदशुक्रयाडावानमावधकैथीवसै
 धागादविषादःनाययानाडाविशधकैधाले मडलेघयित्वा १२३ धननेड
 हाडनी पुनत्रपिसूचीमूषदहचसुविमूषवचकनमहापाककनभूनेविष्ठावमिति
 तयादविविहायया॥मडलेघयित्वा॥ १२८ धनलिधसुविमूषनेधममूषनेचम
 दविहगनडाठकनाधकठनेधनचमदविनेधारेजिनेथीवसुधागादविदर्शनयागडाठ
 धकधायगःधपनिमनेधारेहचमदविहुयायायनेजियथचाठमावधकैथीवसैधः

गदवियाकः नाययागधकैवखलानागशङ्कथानिखठनाअचूरदविथननेइहाअ
 ने यअरममहायाककिनाइनाकडववकयैकनमहायाकनपदि२वयोरेक्य
 मिमिमायविहाययेकडलेययिता १२९ थथअअपुनवाइरुनेइहायाककियनि
 वनेअइमयाककिनेवालेःरुचूरदविहगनगठकनावकैचूरदवियाकधालीकिग
 वसेधगदवियादर्शनयागगठधकैधयागइमयाककिनेवालेकिनेवृषहगुलिहाना
 आहायधकधालीइधारसाइयायापनेकिपनेकिथे२थथवाठमालथखहनेथीव

३८

सधगदवियाकः नाययायमारधकैअकठनाअचूरदविथमनेइहाअने क
 अकधंसप्यइयुनइसननअसिनाथनकहसप्यइह्वारइसनमाअनेचूरदविकाव
 मूषेयकूडाइस्वयुपीरुवमि॥सर्वयापमूकू॥ १३० थननेइहाअसविःचूरदविने
 इहसप्यषठाअचूरदविहानेअइहसप्यनेचूरदविवनइहसप्यनेचूरदवियाः
 ग्वालसठरथथठायअचूरदवियाककमयकमिनेअनःकायायागुलिरूपरुवअ
 अचूरदवियासमरुवापरुने कयपनयपिविअपरकैइहावइहकिगर्थविअ

पूरंकेगृह्णामिद्वनददामिहस्तनगहामिःपुनरुक्तावाचनकामिश्चकव्यः॥५॥
 माधनसूत्रवृद्धनहस्तपुनयविद्यययित्वा १३१ **थननेइहागनाअस्वसविमिमा**
 वनथाक्रिसिमाहमाधनाअक्रिसिवायाअनयधकेअनेक्रिसिवाववससिमिमान
 धावैहचूगदावेहृनअधियमगधकेधयाअसिमिमानैक्रिसिहृग्वलचूतदविद्यालाहा
 निसकृदिनकाअविली॥थगुलिफिसिहृक्यानाअथननेइहागनं **गहाप्रसादका**
 सगंगल्लानार्थदविस्नानार्थसुवर्हृधनपानियैगृह्णित्वाउर्दगमदविगनसूचू

३८

नदविनीदिलाकयापिहृमिस्तिः॥६॥स्वर्हृयगहृमिसर्वासययवकव्येनगाना
 मिथीवसुधायादविस्नानार्थः॥७॥उर्दकनदिवहमित्यर्वहमिगकउउकनयद्वयपु
 जानिकमाधनउदृष्टिहृवभिपिर्वमिमाधनसर्वपापकृयाहृवक्रिपूर्वकृमसर्वपापकृ
 याहृवमि॥ १३२ **थनलिअपसगगनपनिसनैथीउवसुधायायोदविद्यासुनानया**
 नकयागभ्रर्थनैथुवर्हृयाघरजीनाअलेहृपनिगनगहृननाधकचूतदविनीहनेथ
 नअपसनायनिसनैधवैहमिसाअनहृनहृसियुगाथगुलिथीवसुधायादविद्या

सनानयाककयाकमर्थनीकियनिसननंथोवेखकावअयाधकंथलेखयनाशसनानयाक
 कथसनानयायधनःसुसिअडाथंलखगः॥अथलेखकयाअमिवापिआअनिमि
 हिनेसदृष्टिरुपिअधकं॥ककपप्रिउमाइनअथीवसेधागादविसनानंदका
 साचरुदविस्वविर्गगलाथीवसेधागादविवाइकवेदनादिकंकला॥अथपाठयं
 कियुर्वमृकुरुगिउकिष्टममाहायय॥ १३३ **अथअयसागनयानिभ्राहा**
 इनाअचरुदविथगथथमनेथीवसेधगादविभ्रादिनेदिविगनसकलीदृष्टाय

२०

नाअथचरुदविहगासनेअनाअथीवसेधगादविभ्रादिनेदिविगनयनिसकली
 नस्काखयानाअःखोयाअधालेहृदविहः॥स्वविज्ञायायागुलिखसमसुसियधः
 नःदुलयात्तयादर्शनयाककिभ्रनाविहयाअमसियाभ्रागवूनकिगथगुविधर्मद
 नकमायधकेधाय॥थीदविवाच॥रुगिउरुदिममाहाययः॥दृष्ट्यागकया
 गुरुवाजापुगुनिसर्वज्ञनावरुमायाकुरुकसमाक्रमार्गकुरुस्वर्गयनायनेकवा
 मि १३४ **अथअयसागनयानिभ्राहा**सदयकवेःहृदगिहगाधकेकपाव

समानाशधनाभाहादयकलेहवगदविभाशदुहलिहागनागशुर्वाहयवाशापुह
 तिनेहयनिसकसनेनायागथवहदनाथंधर्मयागधयनिथसजिथनकरा
 याशदुपनिरुस्वर्गभाऊयदवउरानविउडायधकेभाहादयकले ॥ ५५ ॥
 कर्णयनयपिचगदविमाहापिनादविमार्गस्मितालाकाहसिहमलिप्रथनव
 पूरुकरनिदयैहसदितकनमहापातकनभउवपूरुकरनिहधनिघातकननिः
 ति॥ ५३५ चरुदविनेनापयानहस्वाभरसचानपनियपिपनिसनीकः

खजानागहलकापापूषलिनिगुविहयाशचानथपूषमिनधारीदूयापापनीगुः
 गुयापायनेदियनियपुविशपाशखानागचाहमावधथविशहहयाशचानमावध
 केहलयालयाकविननियानाहवह।दविदूयानिमित्तिनेथविशहहस्वधक॥
 ॥ श्रीदयवाच॥ पूर्वजन्मसखाहलिगिभानयापिगऊनायशदवृकरी
 गवलाःरुगिहोपादन्निपूढदिकनमहापातकनयूरुकरनिविग।धरुवतिनव
 कथिममाइनमूरुहवति॥ ५३६ थनलिशीवसखागदवीनभाहादयक

चतुर्विहङ्गं स्तयतु नैश्रमायानि समुक्तिरुयि अथ काधकैश्चाह विने १३० च
नदविनेयनययिविस्तारि कस्तुमिषदृष्टकनेव कथितं कनमाहायात कनयवर्त
सविमूषयापिनेति स्तनागस्वज्ञानागहयगुगुयायायनं गथयुविमूष
ज्ञयागचानमात्रधर्कः नाययानं १३० श्रीदेव्यावाच ॥ पूर्वजन्मसुवाग्मिण्य
मिन्नद्विद्वचनेनैतन्नाविधर्मनिज्ञायाद्यामहमन्मदन किंपथाज्ञनेव
कथ्यते नमहायात कनसविमूषाहवति ॥ तव कथितमाज्ञने किं हवति ॥ ॥

श्रीवसंथागदविने आह्लादयकनेमात्रसाभामसविमूषपूर्वजन्मसुवाग्मिण्य
ज्ञानकाथयामहाह्लादवचनज्ञानधर्मसचकनामइहाम्बिकनेमनसाहेमवः
याज्ञानयामसीभामदानयानायाप्रयाज्ञनद्विधायिअथसुयायायनेथकाउवि
मूषज्ञयागचानथधर्ककनउनेभ्रमयायायमोर्किरुवधर्क १३१ चतुर्विहङ्ग
नययिविस्तारिनेदविदसाज्ञसुयापिनेदृष्टसुनस्तिताः कनमहायात कनइयि
मातिह्यव यनर्वायचमदविनेवामहदविः स्तविहनेद्वामहदयययिपः

निमनं शिवनाशार्थं नैव यद्वा नाशं ह्यदृष्ट्या पापने गुणु या पापने शिथ्य इषी पापि
 दृष्ट्या नाशानमात्रं धर्मे दम्भ कृतं पापिनी ॥ नाय या नाहं धर्मे विनमि या ॥ १० ॥
 नदाद्व्या दम्भ कृतं साकवशी सिद्धि १४२ धननिदम्भ कृतं पापिनी भक्त
 मया कण्ठविस्तारं धीवत्तं धातु विने भ्रातृदयकले नयथां जगिन
 याता न्याय १ भद्रदा नाश गता गद्वि २ कामयिथा चात्र प्रियं लया स पूरा
 दिनास ३ मृषा वा सादिव च न स्व विरु ४ पिमना मिश्र रुद्रक वरु हि रुले ५ पा इ

४४

घाववना ४ हाना लोक इति हनै ३ भ्रमही न्नयना या दानी इय कृत्वा हिनवचनी
 य १ भ्रमिहा ३ व्यापाद इग्न नमूर्ध्व ४ व्यापाद हिव दद्विमाहि २ मृत्वा दिष्टि
 ३ हिन रुल यत्नाय १० ॥ १० ॥ ना पापिनी ३ पूर्व ज्ञान रुत विद्या का ग्य रुले ना मू
 क्रि रुवति १२३ गथ धाव सादसा कृतं लया रवध ध्यान धर्मे हेच नदा वि
 धर्मी भव स्थाना या शत आय म इ भवन मसिय क दान कायाने दवि ३ रुयु म
 वया धिलिला यनी ज्ञापीन थश म न ना कायनी कला रुने ३ म वि ३ रु स रव रु

नाशयापायने इति श्रियोगः नृगत्रमहिनिशमिवयाकहाखलानायापायने डिमिउ
 वेधुशकत्रहश्रियोगः मून्वात्रकमवयाकवावचननयाने कानामुशवायिशकाकम
 हायानेऽन्म २ मरुग्यमदयिडा मषगव्यापायानानेऽन्म ३ श्रुतश्रियिडा मषगव्यापा
 ययाकमिसमाने इति श्रियिडाः खनाने मखनाधके धायापायने हिनकुलसक
 नरुयिडा थगुलिमिमायापयवर्जन्मसयानाशत्रुगुयापायने भूमयनिदसा
 श्रुमवश्रयाशचानेमावथधधके हुनेकठगत्रमयनिसेयायमकिश्रियिडाधकेआ

४५

लदयकली ॥ ॥ सर्वसत्ताशिवसखयादिप्रदकिनाकुरयासोतिरसाहिवदि
 लाचरदविप्रयागता ॥ १४४ ॥ श्रुतश्रियिडाः खनाने मखनाधके धायापायने हिनकुलसक
 मरुयिडा थगुलिमिमायापयवर्जन्मसयानाशत्रुगुयापायने भूमयनिदसा
 श्रुमवश्रयाशचानेमावथधधके हुनेकठगत्रमयनिसेयायमकिश्रियिडाधकेआ
 सतिचैसमागता १४५ ॥ श्रुतश्रियिडाः खनाने मखनाधके धायापायने हिनकुलसक

हाः पादकमलसिखसानमस्कारेहवाक्यमलविचारदिकलादिहिता ॥ १४२ ॥
 थथगङ्गगुरुसथनकाशगङ्गायापाइकासनमस्कारयानाशकमलसुशमपुलाव
 केचिथिविचारसीवालयाही ॥ ॥ गङ्गावाच ॥ कथंवितागङ्गाककर्मगत ॥ १५० ॥
 गङ्गा नैशाहादयकलीहचरदविहगथरुधकेगनशनाधकेआहादयकली
 चरदविनेसर्वविलाककनेथीवसुधयादवियाप्रसादगगाहिनान्यप्रसाध
 नि ॥ १५१ ॥ थरुठनागचरदविनेसर्वविलाककवकनाडाहमहागङ्गातीवसुध

४७

गदवियाप्रसादनैथकाजिशयाधकेगङ्गायाकधवै ॥ ॥ न्याकर्मगङ्गाभा
 व्यायमानाहलाउलासिममहप्रकटिययतिचमदव्यासुधनप्रयामास ॥ १५२
 थरुठनागचरदवियावचनठनागगङ्गाभरुटवायागङ्गाथरुटवायागङ्गागङ्गाहानचा
 नाशगुविदिनगनमचासचान कनवुर्कदिनसप्रागगाचरदविगङ्गाविहापि
 नपुष्पधयप्रज्ञानचापकवनिहृदकेसर्वहिप्रवप्रमावाधयामि ॥ १५३ थन
 लिआवसुधयागदवियावप्रवमदमदिनहयागवानवलसचरदविनेऽनायया

सविशुद्धोदयराजाप्रदत्तिनेधर्मदकासकलीरत्नपागुविनानसकयागशुविनरुव
नसधनयनधमश्रीवसेधारादविद्यावुर्हदनानेसैसावसवयद्यावयप्रानिसकली
उधररुन॥ ॥ अथासपुत्रमकयावराजाथाधिविज्ञाधर्मदशनाथीवनशोर
ननसर्वमकमधुतपुकासयगाशुवनानेहखादिहनि॥ ५५२ ॥ धनलिशुद्धोदय
राजायाकायराजपुत्रदृष्टयागवानधराजपुत्रराजासागशोवराजावकेनामाक
रुयाकेधवुर्हधर्मयावहकयातभूर्यनेधमश्रीवराजानेसकमधुतसरुनकी

५०

धश्रीउवतुधाराविद्यावुर्हधर्मपकासयगाशुवनानेसैसावसवयद्यावयप्रानिसकली
म्याकलेशलो॥ ५५० ॥ अथिशीउवतुधाराविद्यावुर्हधर्मपकासयगाशुवनानेसैसावसवयद्यावयप्रानिसकली
वदनयविसमाकश ० ॥ अथिशीउवतुधाराविद्यावुर्हधर्मपकासयगाशुवनानेसैसावसवयद्यावयप्रानिसकली
नहहउयाधशोवराजानेसैसावसवयद्यावयप्रानिसकली ० ॥
श्रीवसेधारादेविद्यावुर्हधर्मपकासयगाशुवनानेसैसावसवयद्यावयप्रानिसकली
यागशोवराजानेसैसावसवयद्यावयप्रानिसकली ० ॥
ममसुयउमनानादलोनायमननय



Handwritten text on a label, likely in Devanagari script, possibly reading "श्री" (Shri) and "॥३३॥" (Hare Krishna).